>

Title: Regarding reported killing of Hindi speaking people in Manipur.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please listen to me.

...(*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर): मणिपुर में 14 हिन्दी भाषाभाषियों को कत्ल किया गया है।...(व्यवधान)

वहां लगातार नरसंहार हो रहा है।...(व्यवधान) खासकर बिहार के मजदूरों का, असंगठित मजदूरों का कत्ले आम हो रहा है।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should go on record. Whosoever speaks without my permission will not go in the record.

*(Interruptions) **

उपाध्यक्ष महोदय : यादव जी, आप बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ram Kripal Yadav, nothing is going on record.

*(Interruptions) **

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down. Please listen to me. First listen to me. Then I will allow you. Please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing is going on record.

*(Interruptions) **

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please listen to me. Nothing is going on record.

*(Interruptions) **

---

*Not recorded

MR. DEPUTY-SPEAKER: First listen to me. It was not possible for me to suspend the Question Hour. But I have a notice with regard to reported killing of Hindi-speaking people in Manipur. So, hon. Members, I will allow the Party Leaders to speak on this very subject. So, please speak one-by-one. But please do not raise the hue and cry that they should be allowed at the same time.

First of all, I would like to call Shri Ramji Lal Suman. Please be brief. इनका नोटिस था।

â€¦(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : नोटिस तो हम लोगों का भी है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपको टाइम मिलेगा। नोटिस दिया है तो टाइम मिलेगा।

â€¦(व्यवधान)

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर): मान्यवर, हमने भी नोटिस दिया है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जब आपने नोटिस दिया है तो आपको टाइम मिलेगा। आप फिर क्यों कह रहे हैं? जब मैंने कहा कि जिसका नोटिस आया है, उन सभी को 2-2 मिनट का टाइम मिलेगा।

â€¦(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद): उपाध्यक्ष महोदय, सोमवार की रात से कल शाम तक विभिन्न स्थानों पर मणिपुर में 14 हिन्दीभाषियों की हत्या हुई। हत्या के बाद, जो आतंकवादी थे, मारने वाले थे, उन्होंने बिहारियों के शवों पर चिपकाया कि अपने राज्य वापस जाओ। मारे गये लोग तम्बाकू उत्पाद, खैनी और जर्दे का व्यापार करते थे। इन उत्पादों पर इन आतंकवादियों ने बैन लगा रखा है। इसका सीधा मतलब है कि मणिपुर में एक समानान्तर सरकार भी चलती है। कल इस सदन में जो असम में हिन्दीभाषी लोग मारे गये थे, उनकी चर्चा हुई । पिछले दिनों में लगभग 150 हिन्दीभाषी लोग असम में मारे गये हैं। मणिपुर में हिन्दीभाषियों की हत्या, असम में हिन्दीभाषियों की हत्या, इससे पहले महाराष्ट्र में जो कुछ हुआ, उससे यह सदन पूरी तरह वाकिफ है। यह बहुत गम्भीर सवाल है। दुनिया के तमाम हिस्सों में हमारे लोग रहते हैं, लेकिन उनको यातनाएं देने के, उनको मारने के, इस आशय के समाचार नहीं आते। इससे ज्यादा दुखद और क्या हो सकता है कि हमारे ही देश में हमारे लोग ही एक दूसरे को मारने का काम कर रहे हैं। भाषा, प्रान्त, जाति, धर्म और क्षेत्रवाद के नाम पर हिन्दुस्तान में एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से नफरत करे, यह चिंता का विषय है। मैं नहीं समझ सकता कि इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति क्या हो सकती है? मैं विनम्रता के साथ कहना चाहूंगा कि खाली राज्य से इसका संबंध नहीं है, यह हमारी मनोवृत्ति का विषय है। यह कहकर इसे टालना कि यदि किसी स्थान पर कोई हादसा हो जाए, यह राज्य का सवाल है। ...(व्यवधान)

महोदय, हम आरोप लगाना चाहेंगे कि पूरे देश में जो इस प्रकार की घटनाएं हुयीं, उसके लिए मूल रूप से भारत का जो केंद्रीय गृह मंत्रालय है, यह उसका जिम्मा है कि वह देश की एकता को अक्षुण्ण बनाये रखे। यह बहुत गंभीर मामला है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, your point is complete.

श्री रामजीलाल सुमन : मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि भारत की सरकार को इस मामले में जिस प्रकार से अपने दायित्व का निर्वाह करना चाहिए, भारत की सरकार अपने दायित्व का निर्वाह नहीं कर रही है। महोदय, हम आपका संरक्षण चाहते हैं। हिंदुस्तान के हर प्रांत का व्यक्ति कहीं भी जा सकता है, व्यापार कर सकता है और काम कर सकता है। यह बहुत गंभीर मामला है। भारत सरकार को इस मामले में पहल करनी चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय : श्री विजय कुमार मल्होत्रा।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): महोदय, आपकी अनुमति से इस विषय पर मैं बोलना चाहूंगा।

उपाध्यक्ष महोदय : ठीक है, आप बोलिए।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : उपाध्यक्ष महोदय, कल भी यह विषय हम लोगों ने उठाया था कि किस तरह से असम के अंदर लोगों की हत्या हुयी, उसके बाद फिर आज 14 लोगों की हत्या मणिपुर में हुयी। हम लोग रोज विषय उठाते हैं, लेकिन सरकार सोयी हुयी, वह जागती नहीं है। आज जो उत्तर भारतीय हैं, उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग हैं, जो हिंदीभाषी हैं, उनके ऊपर जितने हमले इन तीन महीनों के अंदर हुए, उसे देखकर लगता है कि जैसे ठान लिया गया है और इसीलिए पूरे देश के अंदर उत्तर भारतीयों और खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों के साथ इस तरह की जुल्म-ज्यादती हो रही है।

उपाध्यक्ष महोदय, जब हम संसद में विषय उठाते हैं, तो सिर्फ इसलिए नहीं उठाते कि हमें इस विषय को उठाना था। यह गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी है। इस फेडरल सिस्टम में उनकी जिम्मेदारी है कि जो भी देश के लोग हैं, उनको सुरक्षा दी जाए। मैं आपके माध्यम से यह इल्जाम लगाना चाहता हूं क्योंकि बिहार में कांग्रेस की कोई स्थिति नहीं है, बिहार के लोगों को कांग्रेस से कोई-लेना नहीं है, इसलिए बिहार के लोगों पर जुल्म होता है और कांग्रेस की सरकार सोयी रहती है। ...(व्यवधान) यह कोई बहुत मामूली विषय नहीं है। इस विषय पर मैं कहना चाहता हूं कि बिहार में कांग्रेस के 8 एमएलएज हैं, इसलिए इनको बिहारियों से नफरत हो गयी है। अगर एक व्यक्ति गुजरात या महाराष्ट्र में चला जाए, तो हंगामा होता है। बिहार के लोगों पर महाराष्ट्र में जुल्म हो रहा है, बिहार के लोगों पर दिल्ली में बयानबाजी हो रही है। बिहार के लोग...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : शाहनवाज जी, प्लीज कान्क्ल्यूड ।

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : मैं यह कहना चाहता हूं कि राष्ट्रीय जनता दल भी सहयोगी पार्टी है। इसको भी चाहिए कि सख्ती से काम लें, आप सरकार से समर्थन वापस लीजिए। अगर आप बिहार के मुद्दे पर गंभीर हैं, तो ...(व्यवधान) जो स्थिति हुयी है, हम दर्द के साथ कहना चाहते हैं कि मरने के बाद कोई भी लाश का अपमान नहीं करता है। ...(व्यवधान) ये मंत्री जी बोल रहे हैं, सरकार में बैठे हैं। लोगों की हत्या हो रही है और खुद सरकार में बैठे हुये हैं। ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Mistry, please sit down.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : मेरी बात अभी पूरी नहीं हुयी है। ...(व्यवधान) इनको यही होता है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should be recorded except the version of Shri Syed Shahnawaz Hussain.

*(Interruptions)**

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : महोदय, इनको गुजरात की बीमारी लग गयी है। बार-बार हारते हैं लेकिन गुजरात की बीमारी इनको लगी हुयी है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया आप अपनी बात खत्म करें।

â€¦(व्यवधान)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन : गुजरात के रोग से ये पीड़ित हो गए हैं। महोदय, मैं अपनी बात को कांक्ल्यूड करता हूं। जब किसी का देहांत हो जाता है, तो लाश का अपमान कभी नहीं हुआ। आज इतनी बुरी स्थिति हुयी कि लोग मारे गए, वहां कोई सरकार का व्यक्ति नहीं गया और मारने के बाद लाश के ऊपर लिख दिया जाता है कि बिहारी वापस जाओ, हिंदीभाषी वापस जाओ। इस तरह का संदेश देना ...(व्यवधान) मैं चाहता हूं कि संसद को इस विषय पर एकजुट होना चाहिए और कुंभकरण की नींद में सोयी हुयी कांग्रेस की सरकार को अगर थोड़ी भी चिंता *â€¦. है, तो मणिपुर की हिंसा...(व्यवधान) बिहार के लोगों को घुसने नहीं देंगे, आपके माध्यम

से मैं यह कहना चाहता हूं। ...(व्यवधान)

*Not recorded

उपाध्यक्ष महोदय : अनपार्लियामेंट्री शब्द कार्यवाही से निकाल दें। Please listen to each other. This is my request.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : महोदय, आपको स्मरण होगा, कल आपने हम लोगों को बोलने की अनुमति दी थी। असम में हिंदी-भाषाभाषियों और खासकर असंगठित मजदूरों पर हिंसक हमले के बारे में कल हम लोगों ने सवाल उठाया था। बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि आज फिर इस विषय पर चर्चा हो रही है। इस विषय को शाहनवाज जी को छोटा नहीं करना चाहिए। यह राष्ट्रीय चिंता का विषय है। क्षेत्र के नाम पर, भाषा के नाम पर, इस तरह से जैसे आज मणिपुर में 14 बिहारियों को अलगाववादी संगठनों के जरिए गोलियों से भूनकर मारा गया है, यह बहुत ही दुखद प्रसंग है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि भारतीय संविधान के तहत किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह बिहार का हो या हिन्दी भाषा-भाषी क्षेत्र का नागरिक हो, हिन्दुस्तान के किसी कोने में, किसी प्रान्त में रहने का, रोजी-रोटी कमाने का अधिकार है। लेकिन संविधान को भी चुनौती दी जा रही है। क्षेत्रीयता फैलाई जा रही है। हिन्दी भाषा-भाषी के नाम पर नरसंहार का सिलसिला थम क्यों नहीं रहा है, यह बड़ा सवाल है, क्योंकि लगातार हिंसक हमले हो रहे हैं, बिहारी और हिन्दी भाषा-भाषी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। जो हिंसा और नरसंहार का सिलसिला नहीं थम रहा है, यह राष्ट्रीय चिन्ता का विषय है। शाहनवाज़ जी, यदि राष्ट्रीयता का सबक लेना है तो कोई बिहार से ले। आजादी के साठ सालों में बिहार में इस तरह का वातावरण कभी नहीं हुआ। ...(व्यवधान) बिहार में क्षेत्रीयता फैलाने की बात, भाषा की बात नहीं की जाती।...(व्यवधान) बिहार में हर राज्य के लोग रहते हैं।...(व्यवधान) बिहार में इस तरह का जहर और नफरत का वातावरण नहीं फैलता।...(व्यवधान)

मेरा निवेदन है कि यदि संबंधित राज्य सरकार हिन्दी भाषा-भाषी लोगों की जान-माल की रक्षा करने में विफल साबित हो रही है, तो केन्द्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए और ज्वाइंट ऑपरेशन चलाकर, चाहे अलगाववादी हों चाहे इस तरह की मानसिक प्रवृत्ति के लोग हों, ऐसे लोगों पर कार्यवाही की जानी चाहिए। हिन्दी भाषा-भाषी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

हम मांग करते हैं कि केन्द्र सरकार इसमें तुंत हस्तक्षेप करे क्योंकि राष्ट्रीय एकता ओर अखंडता को आज चुनौती दी जा रही है।...(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : उपाध्यक्ष जी, जब से इस सदन का सत्र शुरू हुआ है, एक बार महाराष्ट्र के सवाल पर जहां भूजा बेचने वाले व्यक्ति का हाथ काटकर उसके घर भेजा गया...(व्यवधान)

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): उपाध्यक्ष जी, हमें भी बोलने का समय दीजिए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आपका नोटिस नहीं आया है।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अभी हमने यह विषय लिया है। जब ज़ीरो आवर लेंगे, तब आप बताइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : उपाध्यक्ष जी, यदि आप हमारी तरफ ध्यान देंगे तो हम बोलेंगे, नहीं तो हम चुप रहेंगे।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मैं आपकी बात जरूर सुनूंगा। मैं चाहता था कि आपके बोलने से पहले इन्हें चुप करवा दूं ताकि आपकी बात अच्छी तरह सुन सकूं।

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : इसीलिए हम कहते हैं कि यह सवाल संवेदनशील भी है और गंभीर भी है। इस सवाल को गंभीरता से लेना चाहिए। जब से सदन का सत्र शुरू हुआ, आज तीसरी बार ऐसा हो रहा है। पहली बार महाराष्ट्र के सवाल पर ऐसा हुआ, जहां एक भूजा बेचने वाले व्यक्ति का हाथ काट दिया गया। वह आज भी पीड़ित अवस्था में किसी तरह जिन्दा है। दूसरी बार देवेन्द्र जी ने कल असम का सवाल उठाया और आज तीसरी बार मणिपुर में जो चौदह लोग मारे गए, उनका सवाल उठा है। आखिर हम जानना चाहते हैं कि क्या सदन में सदस्य सिर्फ इन बातों पर चर्चा करते रहेंगे, वह सदन की प्रोसीडिंग्स में दर्ज हो जाएगा, सरकार सुनती रहेगी, मौन रहेगी और हिन्दी भाषी, खासकर बिहार के लोग आए दिन मारे जाते रहेंगे? क्या इसीलिए सदन में चर्चा होती है? चर्चा का अर्थ होता है कि चर्चा हो तो सरकार संवेदनशील हो और आगे इस तरह की घटना देश के किसी हिस्से में नहीं घटे, उस पर कोई कार्यवाही हो। लेकिन घटना कहां तक रुकेगी, एक के बाद एक घटनाएं आए दिन घटती जा रही हैं। कौन से लोग मारे गए हैं? खैनी बेचने वाले लोग मारे गए हैं, चने का सत्तू बेचने वाले लोग मारे गए हैं, छोटे-छोटे रोजगार करने वाले लोग मारे गए हैं और मारकर एक चुनौती के रूप में कहा जा रहा है कि अपने प्रदेश जाइए, बिहार जाइए। इससे बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण बात कुछ नहीं है।[N4]

महोदय, इससे अलगाववाद को बढ़ावा मिलता है। मुझे दूरभाष से यह जानकारी मिली है कि उत्तरी बिहार के लोगों ने एक बैठक की है, उन्होंने एक प्रस्ताव तैयार किया है और बिहार सरकार के मुख्यमंत्री से मिलने जा रहे हैं कि यदि भारत सरकार या अन्य राज्यों की सरकारें उनकी सुरक्षा नहीं कर सकती हैं, तो उत्तर प्रदेश और उत्तरी बिहार के हिस्से को मिलाकर एक अलग प्रदेश बनाया जाए, जहां हम रहकर अपनी स्वयं की सेना बना लेंगे, वहां अपने को सुरक्षित रखेंगे और अपने जीने का साधन पैदा करेंगे। इससे तनाव बढ़ेगा और इसका खामियाजा राज्य और देश दोनों को भुगतना पड़ेगा।

लालू प्रसाद जी, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप केन्द्र सरकार में मंत्री हैं, आप बिहार के और उत्तर प्रदेश के उस हिस्से के माननीय सदस्यों को बुलाइए। हम लोग आपके बुलाने पर आने के लिए तैयार हैं और इस संवेदनशील सवाल पर गंभीरता से चिंतन कीजिए कि हिन्दी भाषी लोग चाहे वे बिहार के हों या उत्तर प्रदेश के

हों, इन लोगों पर देश के अनेक हिस्सों में जो हमले हो रहे हैं, उनकी जान ली जा रही है, उनकी सुरक्षा की व्यवस्था आप जिस सरकार में मंत्री हैं, वह सरकार कैसे करेगी। मैं कहना चाहता हूं कि* मैं यह सच बोल रहा हूं, तो इसमें आप क्यों बेचैन हो जाते हैं।

उपाध्यक्ष महोदय : नहीं, यह नाम रिकॉर्ड में नहीं जाएगा। इसे डिलीट कर दिया जाए।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अगर देश में लोगों को सुरक्षित रखना है तो * तभी लोगों को देश में सुरक्षा मिलेगी।

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता - उत्तर पूर्व) : महोदय, मणिपुर में बिहार के हिन्दी भाषी 14 नागरिकों की हत्या किए जाने का जो सवाल यहां उठाया गया है, वह बहुत ही महत्वपूर्ण है। सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। यह मामला आंतरिक सुरक्षा का है। उग्रवादी संगठन प्रान्तीयता के नाम पर अपने प्रभाव को बढ़ाना चाह रहे हैं और दूसरे प्रांतों के जो ऐसे लोग वहां बसे हुए हैं, कारोबार कर रहे हैं, उन पर हमले हो रहे हैं। जहां भी उग्रवाद पनपता है, वहां वे काबिज होने कि लिए अपनी डिक्टेटरशिप चलाना चाहते हैं, वहां सरकार चाहे जिस पार्टी की हो, वह जो चाहे मनमानी कर सकते हैं, इसके लिए वे डर और दहशत का माहौल पैदा करते हैं। इसे भी सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए। जैसा कि प्रभुनाथ सिंह जी और देवेन्द्र प्रसाद यादव जी ने भी कहा है कि महाराष्ट्र, असम और अब मणिपुर, इस तरह एक के बाद एक प्रान्त में प्रांतीयता के सवाल को लाकर विघटनवादी संगठन बड़े पैमाने पर योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहे हैं, अन्यथा एक ही दिन में इस तरह 14 लोग नहीं मारे जाते और वे पोस्टर्स नहीं लगाए जाते। मैंने राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापन प्रस्ताव पर बोलते हुए भी यह कहा था कि सरकार की यह जिम्मेदारी है कि सामाजिक एकता, राष्ट्रीय एकता, अखण्डता, नागरिकों के अधिकार, हर भाषा के लोग, हर प्रांत के लोगों, पूरे देश के नागरिकों को सुरक्षा के साथ देश में यात्रा करने और कारोबार करने का अधिकार है। अलगाववादी तत्वों को अगर हम राजनीतिक फायदे के हिसाब से देखते हैं, उनसे निपटते नहीं हैं, तो इस तरह के अलगाववादी तत्व मजबूत होते जाएंगे। मैं सरकार से मांग करता हूँ कि इसे गंभीरता से ले। मेरी

---

*Not recorded

एक आशंका भी है कि पूर्वोत्तर राज्यों के बहुत से बच्चे पढ़ने के लिए उत्तर भारत में आते हैं, देश के दूसरे हिस्सों में जाते हैं। उनके ऊपर ऐसी शक्तियां या तत्व ऐसा कुछ न करें, ऐसा न हो कि उनके लिए कोई बदले की भावना आए, हम लोग यहां से सब कुछ चुपचाप देखते रहें और देश में सामाजिक तनाव बढ़ता रहे। इसलिए मणिपुर के इस अलगाववादी गिरोह के खिलाफ सरकार को कड़े कदम उठाने होंगे।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : इसके बाद अभी जीरो आवर भी लेना है, इसलिए अब आप बैठ जाएं।

SHRI GURUDAS DASGUPTA (PANSKURA): Sir, I have no language to condemn the ghastly killing of the people of Bihar, our brothers of Bihar, in Manipur and Assam. We totally condemn it. हम नहीं जानते हैं कि बिहार के आदमी का क्या कसूर है। What wrong the people of Bihar have perpetrated that they are being killed in different parts of the country? The only point is वे अपनी रोटी के लिए, खाने के लिए, जीने के लिए, रहने के लिए वे मणिपुर और असम जाते हैं। उन पर जो जुल्म हो रहा है, उसकी पूरे हिंदुस्तान में निंदा होनी चाहिए।[R5] यह सिर्फ बिहारी या बंगाली का ही सवाल नहीं है, यह इंडियन का सवाल है। हम हिन्दुस्तानी होने के नाते इसकी निंदा करते हैं। हम चाहते हैं, let me tell the Government a very clear thing, ऐसे ही चलेगा, बिहारी को असम में मारेंगे और बंगाली को महाराष्ट्र में मारेंगे तो फिर हिन्दुस्तान एक नहीं रहेगा। The unity of India is in jeopardy if the regional killings are allowed to be done. The unity and security of India will be in jeopardy. Therefore, I am suggesting two things. Immediately an all-party meeting should be called. I am ashamed that the Government of India is taking no step. No step is being taken. I am ashamed. Let there be an all-party meeting to discuss this in Delhi and another meeting in Assam.

Secondly, I am suggesting immediate deployment of Central Forces in Manipur and Assam to protect our brothers....(*Interruptions*)

श्री इलियास आज़मी (शाहाबाद): हमारी पार्टी से किसी भी सदस्य को मौका नहीं दिया गया।

उपाध्यक्ष महोदय: मैंने सभी लीडर्स को बुलाया है। आज़मी जी, मैं कोशिश कर रहा हूं कि हर पार्टी के लीडर को इस विषय पर बोलने का मौका दिया जाए।

श्री राम कृपाल यादव (पटना): लीडर्स को तो बुला रहे हैं, लेकिन हमें क्यों नहीं बुला रहे हैं, जबकि हम नोटिस देते हैं। हमारा भी बोलने का हक बनता है।

उपाध्यक्ष महोदय: मैं मौका दूंगा।

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): Mr. Deputy-Speaker, Sir, what has happened in Manipur and some time back in Assam and Maharashtra is most deplorable. The country is now facing the worst ethnic crisis which has not been witnessed for the last four decades. The migrant labours, workers are facing the worst hardship. They have been killed; they have been assaulted. Not only the orth Indians, the Orissa people, those who have gone as migrant labour to different parts, they are also becoming victim of all these things. They are at the receiving end. It is now spreading like fire. It is also spreading to other States. It is the most serious thing; the most serious crisis. The Government of India should come forward. They should not enjoy the crisis, the problem of the people. Mostly, the migrant labours are going for their work, for their job, for their livelihood to different parts of the country and they are facing such hardships. So, the Government of

India should not sit silent. They should consult all the Chief Ministers. The law and order should be tight. They should take proper action. The Government of India should respond immediately. We should not only witness like this; we should not remain silent observer to all these incidents.

श्री रमेश दूबे (मिर्ज़ापुर): उपाध्यक्ष महोदय, यह विषय बहुत गम्भीर है। हमारे साथी प्रभुनाथ सिंह जी ने जो विचार व्यक्त किए, मैं उससे सहमत हूं। हम हिन्दी भाषी रोजी-रोटी के लिए देश के कोने-कोने में जाकर मेहनत और ईमानदारी से काम करते हैं। हमारे ऊपर जो अत्याचार हो रहा है, असम में हो या महाराष्ट्र में हो या अन्य किसी राज्य में हो, यह एक विचारणीय विषय है। इसे राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए, बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से जोड़कर इसे देखना चाहिए। जहां भी इस तरह की घटनाएं हो रही हैं, वहां कांग्रेस पार्टी का राज है। मैं यह कहने में नहीं हिचकना चाहता कि कहीं यह कांग्रेस पार्टी के इशारे पर तो नहीं कराया जा रहा है इसलिए इसकी जांच करनी चाहिए।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि मैंने सिर्फ जांच करने के लिए कहा है...(व्यवधान)

SHRI MADHUSUDAN MISTRY (SABARKANTHA): What is this, Sir? It should be expunged. Let him place the proof on the Table....(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Only the statement of Shri Ramesh Dube should be recorded.

*(Interruptions) **

श्री रमेश दूबे : मैंने किसी भी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है। मैंने साफ कहा है कि इसकी जांच करनी चाहिए और मेरे साथी यूं ही शोर कर रहे हैं...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: कृपया उन्हें बोलने दें।

श्री रमेश दूबे : मैंने साफ कहा है कि इसकी जांच करनी चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इसकी जांच कराई जाए कि क्या कांग्रेस पार्टी का इसमें हाथ है...(व्यवधान) इसलिए केन्द्र सरकार इसे मजबूती से हाथ में ले और हम जैसे हिन्दी भाषी लोगों की जो हत्याएं हो रही हैं, बेकसूर लोग मारे जा रहे हैं, उसे रोका जाए।...(व्यवधान)

[R6]

SHRI MADHUSUDAN MISTRY : I demand that it should be expunged. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY SPEAKER: It is not unparliamentary.

...(*Interruptions*)

SHRI MADHUSUDAN MISTRY : Sir, let him place the proof on the Table. He cannot level charges like this. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY SPEAKER: Only Shrimati Ranjeet Ranjan's statement will go on record.

*(Interruptions) **

MR. DEPUTY SPEAKER: Please listen to me. If that is unparliamentary, I will expunge it.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY SPEAKER: That is my headache.

...(*Interruptions*)

---

*Not recorded

श्रीमती रंजीत रंजन (सहरसा) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहती हूं कि आज मणिपुर में 16 आदमियों की हत्या की गयी है...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अगर कोई शब्द अनपार्लियामेंट्री होगा तो मैं उसे निकाल दूंगा। मैंने कह दिया है, आप बैठ जाइये, यह मेरी हैडएक है।

...(व्यवधान)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): Sir, the word 'Congress' is not unparliamentary. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY SPEAKER: Prof. Malhotra, it is my duty to see.

श्रीमती रंजीत रंजन : उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगी कि जो हादसा मणिपुर में हुआ, वह बहुत शर्मनाक है। मणिपुर में ही नहीं बल्कि महाराÂष्ट्र में, असम में और कुछ महीने पहले दिल्ली में भी इस तरह की घटनाएं हुई, वे बहुत ही खतरनाक राजनीति की परिचायक हैं और यह बहुत ही शर्मनाक राजनीति

उभरकर देश की जनता के सामने आ रही है। आज वक्त आ चुका है जब हमें सोचना पड़ेगा कि हमारी राजनीति किस ओर जा रही है? इस बात का भी पता लगाया जाए कि कुछ लोगों के कारण, जो छोटी सोच की राजनीति से बहुत जल्दी राजनीति में ऊपर आना चाहते हैं, उन पर नियंत्रण कैसे किया जाए? कोर्ट भी दो राह का कानून लाती है कि कुछ को षडयंत्र रचने के नाम पर फांसी की सजा होती है और कुछ की स्टेटमेंट के कारण रोज लोग मारे जाते हैं, लेकिन उनके खिलाफ कुछ नहीं होता। महाराÂष्ट्र में एक महिला प्रेगनेंट थी और उसकी हत्या केवल इस कारण हुई कि उसे कहा गया कि तुम बिहारी हो या तुम उत्तर प्रदेश के हो, आप जाओ। ...(व्यवधान) सर, हम यहां 33 प्रतिशत भी नहीं हैं, प्लीज, एक महिला बोल रही है, आप मुझे दो मिनट तक बोलने दें। यह बहुत ही शर्मनाक हादसा है। मैं इतना ही कहूंगी कि जो इस तरह की राजनीति हो रही है, आज की तारीख में इसकी समीक्षा होनी चाहिए। जो मणिपुर में हुआ, क्या वह राजनीतिक लोगों ने किया या उसकी आड़ में जो नक्सलवादी हैं या कुछ लोगों के गिरोह ने राजनीतिज्ञों को बदनाम करने के लिए हत्याएं की हैं और स्टीकर लगा दिया कि "बिहारियो वापस जाओ"। यह जो राजनीति शुरू हुई है, यह बहुत खतरनाक है। इसके लिए बड़े लीडरों के साथ इस बात की गंभीरता से समीक्षा होनी चाहिये। लोगों को जात-पांत में बांटने के साथ-साथ स्टेटवाइज बांट दिया गया है और यह एक गंभीर बात है।

श्री निखिल कुमार (औरंगाबाद, बिहार) : उपाध्यक्ष जी, सबसे पहले मैं कहना चाहूंगा कि जो कुछ मुम्बई और महाराÂष्ट्र में हुआ। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : देखिये, यदि आप इसी को एक बजे तक कान्टीन्यू रखना चाहते हैं तो मैं सहमत हूं।[r7]

श्री निखिल कुमार : उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं कहना चाहूंगा कि जो कुछ भी मुम्बई और महाराष्ट्र में हुआ, उसकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है।

उपाध्यक्ष महोदय : आप कृपया एक मिनट रुकिए। अगर आप इसी मुद्दे को एक बजे तक कंटिन्यू रखना चाहते हैं, तो फिर जीरो ऑवर नहीं ले सकते हैं।

â€¦(व्यवधान)

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): उपाध्यक्ष महोदय, जीरो ऑवर अभी लेना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय : आज ही जीरो ऑवर होगा, लेकिन वह छह बजे होगा।

â€¦(व्यवधान)

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGHLY): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I want to raise about the use of Blackberry telephones. ...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदय : रूप चंद जी, आप इस विषय पर नहीं बोल रहे हैं। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : सलीम जी, आपकी पार्टी के अन्य सदस्य इस संबंध में बोल चुके हैं। सिर्फ निखिल कुमार जी की बात रिकार्ड में जाएगी।

â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER : Please let me listen to him.

...(*Interruptions*)

श्री निखिल कुमार : महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि मुम्बई और महाराष्ट्र में जो घटनाएं घटी हैं, उनकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है। मुल्क में संविधान है, कानून और व्यवस्था है और जब संविधान तथा कानून के खिलाफ कोई घटना घटती है, तब कुछ और नहीं, लेकिन राष्ट्र पर एक आघात जरूर होता है। इसी तरह से जो कुछ मुम्बई तथा महाराष्ट्र के शहरों में उत्तर भारतीयों के खिलाफ, विशेष कर बिहारियों के खिलाफ हुआ, वह राष्ट्र पर आघात है। ...(व्यवधान) इसी तरह से जो कुछ असम तथा मणिपुर में हुआ। आप मेरी बात सुनिए। जो कुछ मुम्बई, महाराष्ट्र, मणिपुर, असम में हुआ, वह राष्ट्र के ऊपर आघात है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री निखिल कुमार की बात के अलावा कुछ भी रिकार्ड में नहीं जाएगा।

श्री निखिल कुमार : मुम्बई में जो घटनाएं हुई हैं, इसके लिए कौन जिम्मेदार है, उसकी जिम्मेदारी किस पर लगाई जा सकती है, यह जिम्मेदारी उन लोगों की है, जिन्होंने मुम्बई को अपने पास गिरवी रखा हुआ है। यह उन लोगों के कारनामें हैं, जिन्हें राष्ट्र का बिल्कुल ख्याल नहीं है।

उपाध्यक्ष महोदय : अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री निखिल कुमार : उन्हें यह नहीं पता कि जो मुम्बई में काम करने वाला बिहारी है, वह अपने बूते पर काम करता है। वहां कोई रिजर्वेशन नहीं है कि यह काम सिर्फ बिहारियों को मिलेगा या उत्तर भारतीयों को मिलेगा या मुम्बई वालों को मिलेगा।

उपाध्यक्ष महोदय : श्री निखिल कुमार, आप बैठ जाइए।

श्री निखिल कुमार : उन्हें वहां सुरक्षा मिलनी चाहिए। लोगों को ध्यान रखना चाहिए कि बिहारियों या उत्तर भारतीयों का मुम्बई के लिए जो योगदान रहा है, वह किसी दूसरे व्यक्ति से कम नहीं रहा है। मैं इस बात का खंडन करता हूं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री पी.सी. थामस।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : सिर्फ थामस जी का भाषण रिकार्ड में जाएगा।

â€¦(व्यवधान)

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): Mr. Deputy-Speaker, Sir, I want to raise an urgent matter. ...(*Interruptions*)

श्री रमेश दूबे : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने मेरा नाम लिया है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अगर निकालना होगा, तो दोनों को निकालेंगे। नहीं तो, किसी को भी नहीं निकालेंगे।

â€¦(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Nikhil Kumar, nothing is going on record.

*(Interruptions) **

MR. DEPUTY SPEAKER: Please sit down.

...(*Interruptions*)

SHRI P.C. THOMAS : Sir, on behalf of the Kerala Congress Party, I strongly condemn the killings in Manipur. Repeated killings by

*Not recorded

terrorists and non-terrorists on the basis of language, on the basis of States, on the basis of religion are happening. May it be in Manipur, may it be in Maharashtra, may it be in Orissa, may it be in Assam or may it be at any other place, in India, we are all one. We have to take a very serious view on this.

Sir, I would like to urge upon the Government, through you, to form a Joint Parliamentary Committee to look into these aspects because these aspects are repeating and the Government has not taken this matter seriously. So, the Parliament should take it seriously. I submit that a Joint Parliamentary Committee should be formed to look into these killings. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: First, please listen to me.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please listen to me.

...(*Interruptions*)

उपाध्यक्ष महोदयः क्या आप मेरी बात सुनेंगे या नहीं?

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः पहले मेरी बात सुन लो।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः शायद ही कोई पार्टी ऐसी हो जिस को मैंने समय न दिया हो। मैंने सभी को बोलने का समय दिया है। मेरे पास जिन के नोटिस आए हैं, मैं उनके नाम लेना चाहता हूं और वे है - श्री शैलेन्द्र कमार, प्रो. रासा सिंह रावत, योगी आदित्यनाथ, श्री संतोष कुमार गंगवार, श्री मोहन सिंह, श्री राम कृपाल यादव, श्री कीरेन रिजीजू और श्री अविनाश राय खन्ना। इनके नाम इस विषय के साथ एसोसिएट किए जा रहे हैं। अब मैं जीरो आवर ले रहा हूं।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदयः यदि मैं इनको समय दूंगा तो सात मैम्बर्स को बोलने का समय देना पड़ेगा। This is my main problem.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should be recorded.

*(Interruptions) **

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing is going on record.

*(Interruptions) **

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Hon. Deputy-Speaker, Sir, I do not like to ...(*Interruptions*) रासा सिंह जी, आप मेरी बात सुनिए।...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ram Kripal Yadav, nothing is going on record.

*(Interruptions) **

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down. Only the statement made by Shri Priya Ranjan Dasmunsi will be recorded, and nothing else would go on record.

*(Interruptions) **

उपाध्यक्ष महोदय : आपकी पार्टी के लीडर बोल चुके हैं।

â€¦(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Kindly allow me to speak. ...(*Interruptions*) आप बैठिए हम बोल रहे हैं। ...(व्यवधान) Hon. Deputy-Speaker, Sir, I do not like to comment on the Maharashtra issue because the Union Home Minister has already made a very detailed statement on the issue of Maharashtra after a detailed discussion of various Leaders. Hence, I do not have to make any comment on this issue. ...(*Interruptions*)

श्री संतोष गंगवार (बरेली): कांग्रेस के नेता ऐसे बोल रहे हैं, उनसे कहिए कि अखबार पढ़कर आया करें।...(व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी: गंगवार जी, कभी आपको भी जिम्मेदारी निभानी पड़ी थी और अब मुझे निभाने दीजिए।...(व्यवधान)

श्री संतोष गंगवार : आप निखिल कुमार जी को समझाओ कि ऐसी बात नहीं कहनी चाहिए।...(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, today, in the Obituary Reference, the entire House condoled among other deceased Members one of our dearest friends

*Not recorded

who used to sit in the back bench, namely, Shri Wangcha Rajkumar. He was a Member of the last Lok Sabha from Arunachal Pradesh. He was a bright young Member of Parliament. He was playing badminton, and only 10 days before his death I was with him. He was telling that I do not feel any threat now as I can go and move around. Unfortunately, my dear friends from Arunachal Pradesh know as to how he died. He still expressed his concern that many of us are still not very certain in the border districts of North-East. It is a known feature right from all the Governments, and not today. Therefore, we are one in the House on the issue of terrorists as to how to deal with them together firmly, and without casting any aspersions on any community, group, ethnic side, etc. They are our Indian friends.

We have not only condemned unequivocally the incident that took place in Manipur, but we also feel that selective targets in Manipur are really a great concern for all of us. I will convey the note and sentiments, and expression of anguish of all the Members directly to the Prime Minister with all my responsibility of discharging my obligation in this House. It is my duty to bring such a serious situation to the knowledge of the Government, and I am confident that our Government will deal with it more firmly. ...(*Interruptions*)

SHRI P.S. GADHAVI (KUTCH): When will it be done? ...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : I cannot tell you whether it will be done 10 minutes or 10 seconds later. It is already ...(*Interruptions*)

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर): सभी राज्यों में क्या हो रहा है?

श्री प्रियरंजन दासमुंशी: रासा सिंह जी, आपको सवाल करने का अधिकार है क्योंकि आप विपक्ष में हैं। मुझे बात सुनने के बाद सरकार के पास इसका जायजा लेने के लिए पहुंचना है। मैं कह सकता हूं कि हमारी सरकार इस बात पर रात से निगरानी कर रही है और बहुत सख्ती से कर रही है। मैं आपको आश्वासन देना चाहता हूं कि किसी भी प्रांत के लोगों का जान या माल खत्म हो जाए और हम बेबस बैठे रहें, हमारी सरकार की ऐसी मंशा या इरादा नहीं है। लेकिन जो मणिपुर में हुआ, वह दुखद है। हर प्रांत के लोगों को दूसरे प्रांत में काम करने के लिए जाना पड़ता है, अगर टैररिस्ट्स ने उन्हें टार्गेट बनाया है।...(व्यवधान)

We do not do politics when somebody is killed in uniform in Chhattisgarh, and we do not do politics when somebody is killed in uniform in other parts of the country. We think that it is a serious issue, and we should collectively share our ideas and concerns, and fight it very strongly. Therefore, I will convey it to the Prime Minister. What more can I say? ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, I will take '*Zero Hour*' mentions. Prof. Vijay Kumar Malhotra.

...(*Interruptions*)[r8]

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please listen to Prof. Vijay Kumar Malhotra.

_

_

_

_

_

_

_

_

_

_

_

_

_

_

_

_

_

_

_